विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

प्रदेश • नई दिल्ली • मध्य प्रदेश • हरियाणा • उत्तराखंड • बिहार • झारखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशि

किसानों ने जाना हल्दी और सतावर की खेती के गुण

चायल, कौशाम्बी : किसानों को औषधीय पौधों की खेती के बारे में जानकारी देने और इससे होने वाले फायदे को बताने के लिए सोमवार को चायल तहसील के जानकीपुर गांव में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विशेषज्ञों के द्वारा किसानों के खेती करने, रोग व विपणन संबंधी जानकारी दी गई।

चायल तहसील के जानकीपुर गांव में औषधीय पौधों पर आधारित पारंपरिक उद्यानों में कृषि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके मुख्य अतिथि वन अनुसंधान के उप महानिदेशक डा. एसपी सिंह रहे। इस दौरान उन्होंने किसानों को कम लागत में अधिक मुनाफा कमाने के लिए हल्दी व सतावर की खेती करने की राय दी। विशेषज्ञ मनोज शुक्ला, डा. वीके पांडेय, डा. आरपी सिंह, डा. कुमुद दुबे, डा. अनीता तोमर आदि ने लोगों को बताया कि दो हेक्टेयर में सतावर की गई खेती से पांच से छह कुंतल सतावर की पैदावार होती है। जबकि इतने क्षेत्रफल में हल्दी की पैदावार इससे अधिक होती है। इस दौरान किसानों ने भी खेती के दौरान आने वाली दिक्कतों के बारे में सवाल पूछे। इस मौके पर चायल ब्लाक प्रमुख अमित सिंह सोनू, नेपाल सिंह, अनुभा श्रीवास्तव, बीडी सिंह, डा. जीपी पांडेय, एसडी शुक्ला आदि मौजूद रहे।

नगर संस्करण मूल्य 2.50
डाक संस्करण मूल्य 3.00

वर्ष 36, अंक 44 इलाहाबाद, मंगलवार 12 फरवरी 2013 पृष्ठ 12

अमृत प्रभात

किसान सूचना केन्द्र का उद्घाटन

(कार्यालय संवाददाता)

इलाहाबाद, 11 फरवरी। सामाजिक वानिकी एवं पारि-पुनर्स्थापना के तत्वावधान में किसानों के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत किसान पौधाला एवं किसान सूचना केन्द्र खोला गया।

डा. एस.पी.सिंह ने जानकीपुर गांव में किसान पौधशाला की स्थापना की एवं किसान सूचना केन्द्र का भी उद्घाटन किया। केन्द्रनिदेशक एम.के.शुक्लाने केचुआ, वर्मीकम्पोस्ट उत्पादन यूनिट का उद्घाटन किया। वर्मीकम्पोस्ट यूनिट के लिए केचुआ बी.डी.सिंह कोडापुर, फूलपुर ने प्रदान किया। इसअवसर पर जानकीपुर में हल्दी के राइजोम बैंक की स्थापना की गयी, जिससे कि नये किसानों को उद्यान में खेती करने के लिए समय-समय पर रोपड़ सामग्री प्रदान की जा सकेगी। औषधीय पौधों पर आधारित उद्यानों में की गयी कृषि वानकी से प्राप्त कालमेंघ, सतावर, सर्पगन्धा एवं हल्दी को परिक्षित करने के तरीके डा. बी.के. पाण्डेय ने बताया एवं राजेन्द्र पटेल ने हल्दी को एवं बह्मदत्त सिंह ने सतावर को परिक्षित करने के तरीके दिखाये। डा. कुमुद दूबे ने जलभराव वाले क्षेत्रों में होने वाले पेड़-पौधों की प्रजातियों के बारे में बताया। डा. अनीता तोमर ने विलुप्त होती प्राचीन फल प्रजातियों के आर्थिक एवं औषधीय महत्व पर प्रकाश डाला। डा. बी.पी. पाण्डेय ने पौधशाला एवं रोपण में होने वाले रोग एवं उसके निदान के बारे मेंबताया। डा. गंगा प्रसाद ने कृषि वानिकी के बारे में लोगों को बहुत सी जानकारियां, आर.पी.सिंह ने औषधीय पौधों के विस्तार पर प्रकाश डाला। डा. सत्येन्द्र देव शुक्ला ने कृषि वानिकी द्वारा सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान पर प्रकाश डाला और डा. अनुभा श्रीवास्तव ने महत्वपूर्ण वृक्ष प्रजातियों के विपणन सम्बन्धी जानकारियां दी तथा धन्यवाद ज्ञापन दिया।

इलाहाबाद | बुधवार | 13 फरवरी 2013

अमर उजाला

बस कहां से जाएगी। इस घोषणा को सुनकर ही संबंधित स्टेशनों की ओर बढ़े।

अब बागवानी के साथ औषधीय खेती

■ सामाजिक वानिकी सेंटर की पहल पर बढ़ी उम्मीद

इलाहाबाद। आम, महुआ, आंवला आदि के बाग मालिक अब दोहरी कमाई कर सकते हैं। आने वाले दिनों में बागवानी और औषधीय पौधों की एक साथ खेती की जा सकेगी। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के सामाजिक वानिकी एवं पारिस्थितिकीय-पुन[illegible] केंद्र ने दो साल के सफल परी[illegible] के बाद इसकी तकनीकी पर [illegible] है। [illegible] आए उप महानिदेशक प्रशासन डॉ. [illegible]पी सिंह ने कई केंद्रों का उद्घाटन भी किया।

अपेक्षित लाभ नहीं मिलने के कारण आम, महुआ, आंवला, बांस आदि के बगीचों से किसानों का मोह भंग होने लगा था। इससे फलों की कमी के साथ पर्यावरण संरक्षण की चुनौती भी बढ़ गई है। इसके मद्देनजर केंद्र के वैज्ञानिकों ने इलाहाबाद और कौशाम्बी में कई जगहों पर बागवानी के साथ औषधीय पौधों की खेती पर प्रयोग किए जिसके परिणाम काफी सकारात्मक आए हैं। कोऑर्डिनेटर डॉ. बीके पांडेय ने बताया कि इससे किसान दोहरी कमाई कर सकते हैं। इसकी सफलता को देखते हुए संस्थान ने कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। उप महानिदेशक प्रशासन ने किसान सूचना केंद्र का उद्घाटन किया। अलग-अलग स्थानों पर किसान पौधशाला, वर्मीकम्पोस्ट यूनिट, राइजोम बैंक आदि केंद्रों का भी उद्घाटन किया।

समय से पहले समय पर नजर

नगर संस्करण

न्यायाधीश

डाक रजिस्ट्रेशन नं.- ए.डी.34/2012-14

इलाहाबाद मंगलवार 12 फरवरी 2013 सम्पादक डा0 रघुवीर चन्द जिन्दल

वन तकनीक से गांव-गांव हरियाली लाने का प्रयास

प्र0 सामाजिक वानिकी एवं वन अनुसंधान केंद्र इलाहाबाद यह केंद्र पर्यावरण एवं वन मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली के अधीन स्वायत्त संस्था भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद [illegible] के अधीन एक अनुसंधान एवं विस्तार का केंद्र है। इस केंद्र का [illegible] उत्तर प्रदेश राज्य के विभिन्न [illegible] क्षेत्रों में सामाजिक वानिकी कृषि वानिकी के उपयुक्त एवं उत्कृष्ट [illegible] विकसित करना, ऊसर भूमि [illegible] के पुनर्निर्वेशन हेतु उपयुक्त तकनीक विकसित करना एवं वनीकरण हेतु बीज तकनीकी नर्सरी तकनीक एवं पौधरोपण तकनीक एवं इन अनुसंधानों से प्राप्त परिणामों को विकसित करना एवं अनुसंधान कार्यों का विस्तार कर जन-जन तक पहुंचाना है।

[illegible] आगे बढ़ाते हुए उप महानिदेशक प्रशासन डा0 एसपी सिंह ने जानकीपुर गांव में किसान पौधशाला की स्थापना की एवं किसान सूचना केंद्र का भी उद्घाटन किया।

इलाहाबाद । मंगलवार । 12 फरवरी 2013

अमर उजाला

अमर उजाला कौशाम्बी

जैविक खाद की उपयोगिता बताई

चायल (कौशाम्बी)। कृषि विभाग की ओर से सोमवार को जानकीपुर में किसान गोष्ठी हुई। इसमें वैज्ञानिकों ने किसानों को उन्नतिशील खेती की जानकारी दी। साथ ही रसायनिक उर्वरकों के दुष्परिणाम और जैविक खाद की उपयोगिता को भी समझाया। कृषि [illegible]